हिंदी विभाग

तेजपुर विश्वविद्यालय

कार्यक्रम :अनुवाद का स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(Programme: Post Graduate Diploma in Translation)

प्रस्तावना (Preamble) :-

- अनुवाद का स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम अनुवाद विषयक एकवर्षीय (दो सत्र) कार्यक्रम है। यह यूजीसी के विश्वविद्यालयी मानकों पर आधारित तथा विश्वद्यालय के अकादमिक परिषद (Academic Council) से पारित है|
- इसका उद्देश्य अनुवाद प्रक्रिया का प्रयोग सिखाना, कार्यालयी अनुवाद का व्यवहारिक प्रशिक्षण देना, सूचना प्रौद्योगिकी के युग में अनुवाद की उपयोगिता का बोध कराना तथा अनुवाद के विविध क्षेत्रों में रोजगार के लिए प्रशिक्षण देना है|
- बैंक, बीमा, विज्ञापन आदि विशिष्ट क्षेत्रों में अनुवाद का प्रशिक्षण देना तथा प्रयोजनमूलक हिंदी के विभिन्न क्षेत्रों में दक्षता प्रदान करना है|
- मानक हिंदी शब्दावलियों से विद्यार्थी को परिचित कराना तथा राजभाषा हिंदी के व्यावहारिक स्वरूप का विद्यार्थियों को ज्ञान कराना है|
- दो सत्रो में विद्यार्थियों को अनुवाद संबंधी परियोजना कार्य सम्पन्न करना होता है। प्रथम सत्र में अंग्रेजी अथवा संविधान द्वारा स्वीकृत पूर्वोत्तर की किसी भी भाषा से हिंदी अनुवाद और द्वितीय सत्र में हिंदी से अंग्रेजी अथवा संविधान स्वीकृत पूर्वोत्तर की किसी भी भाषा में अनुवाद कार्य कराना इस पत्र का उद्देश्य है।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम में अध्ययन, अध्यापन एवं प्रवेश परीक्षा की भाषा का माध्यम हिंदी रहेगी।

1. पाठ्यक्रम-परिचय (Introduction) :-

प्रस्तुत पाठ्यक्रम :-

- विद्यार्थी केन्द्रित है जो समावेशी,रचनात्मक एवं प्रयोगात्मक दृष्टिकोण पर आधारित है|
- अनुवाद के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अंगों एवं अनुषंगों पर केन्द्रित है|
- कार्यालयी, सूचना प्रौद्योगिकी, बैंक, बीमा, विज्ञापन आदि क्षेत्रों में अनुवाद के शिक्षण एवं प्रशिक्षण के सैद्धांतिक एवं प्रकार्यात्मक पक्षों का बोध कराना है |
- पारिभाषिक शब्दावली, कोश विज्ञान एवं जनसंचार का परिचय कराते हुए अनुवाद के साथ इसके अंतःसंबंधों का ज्ञान कराना है |
- यह पाठ्यक्रम हिंदी एवं हिंदीतर प्रदेशों के विद्यार्थियों में भाषायी कौशल के विकास पर आधारित है |

- यह पाठ्यक्रम रोजगारपरक है तथा विद्यार्थियों को वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के लिए तैयार करता है।

2. उपाधिधारकों की अर्हताएँ (Qualification Descriptors for the Graduates)

यह पाठ्यक्रम:-

- विद्यार्थियों में अनुवाद के विविध पक्षों की समझ विकसित करेगा।
- अँग्रेजी तथा संविधान-स्वीकृत विभिन्न भाषाओं में अभिव्यक्ति की क्षमता का बोध कराएगा |
- अनुवाद के सहायक साधनों जैसे कोश, टंकण, संगणक आदि का ज्ञान एवं प्रयोग मे दक्ष बनाएगा |
- कार्यालयी, सूचना प्रौद्योगिकी, बैंक, बीमा, विज्ञापन एवं खेल आदि क्षेत्रों में प्रयुक्त भाषिक-प्रयुक्तियों का ज्ञान कराएगा |
- अनुवाद की प्रक्रिया के दौरान अन्य भाषाओं के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, धार्मिक आदि विविध क्षेत्रों के अन्तः संबंधों का बोध कराना है |
- विद्यार्थियों में अंतर-अनुशासनिक विषयों की समझ विकसित करेगा |

3. उपाधिधारक की विशेषताएँ (Graduates Attributes)

विद्यार्थियों में:-

- भाषा एवं साहित्य के ज्ञानानुशासन की गहन समझ विकसित होगी |
- विवरणात्मक एवं प्रयोगात्मक वैचारिकी निर्मित होगी |
- भाषा के विविध अंगों एवं अनुषंगों की जानकारी प्राप्त होगी |
- अंतर-अनुशासनिक विषयों की पारस्परिक समझ बन पाएगी |
- भाषा एवं हिंदी साहित्य के अत्याधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अनुवाद के तकनीकी उपकरणों से जुड़ पाएंगे |
- सम्प्रेषण कौशल में दक्षता विकसित होगी |

4. कार्यक्रम-प्रतिफल (Programme Outcomes)

अनुवाद का स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम:-

विद्यार्थियों में:-

1. अनुवादकी समग्र समझ, स्वाध्याय की योग्यता, विषय के प्रति जागरूकता और विषय के विभिन्न पक्षोंका प्रयोगात्मक समझ विकसित हो पाता है।
2. अनुवाद के विविध अंगों की सैद्धांतिक एवं अनुप्रायोगिक प्रक्रियाओं से अवगत हो पाते हैं।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान विकसित हो पाता है तथा राजभाषा हिंदी के मानक स्वरूपका अवबोध हो पाता है |
4. कार्यालयी हिंदी की भाषिक शैली का ज्ञान हो पाता है |
5. अनुवाद-कौशल में दक्ष बन पाते हैं तथा अंतर-अनुशासनिक विषयों का बोध हो पाता है |
6. अनुवाद के माध्यम से स्थानीय और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भाषा एवं साहित्य की पारस्परिकता को समझ पाते हैं।
7. अनुवाद के द्वारा समाज एवं संस्कृति के विविध पक्षों का बोध हो पाता है।

5. Programme Structure

पाठ्यक्रम का प्रारूप-

अनुवाद का स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

(Programme: Post Graduate Diploma in Translation)

कुल क्रेडिट(Total Credit) : 40

Course	*Credit*
First Semester	**22**
Second Semester	**18**

कार्यक्रम की रूपरेखा (Programme structure) :-

Course category	No of courses	Credit per course	Total Credits
Foundation course (corecourse)	07	04	28
Departmental elective course	00	00	00
Project Work	02	06	12

Open elective (CBCT)	00	00	00
Total Credits	00	00	40

6. Semester wise schedule

समयावधि- 01 वर्ष (02सेमेस्टर)
अधिकतम समयावधि- 02 वर्ष (04सेमेस्टर)

प्रथम-सत्र (First Semester) **Total CR: 22**

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 411	प्रयोजनमूलक हिंदी, भाषाप्रयुक्ति औरअनुवाद	03	01	-	04	04
HN 412	हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति और अनुवाद	03	01	-	04	04
HN 413	अनुवाद विज्ञान और उसका सिद्धांत	03	01	-	04	04
HN 414	कार्यालय हिंदी और अनुवाद	03	01	-	04	04
HN 415	परियोजनाकार्य-I	-	-	06	08	06

द्वितीय-सत्र (Second Semester) **Total CR: 18**

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 421	अनुवाद का व्यवहारिक पक्ष	03	01	-	04	04
HN 422	जनसंचार माध्यम और अनुवाद	03	01	-	04	04
HN 423	पारिभाषिक शब्दावली,कोश विज्ञान और अनुवाद	03	01	-	04	04
HN 424	परियोजना कार्य-II	-	-	06	08	06

7. कार्यक्रम प्रतिफल का आरेख (Mapping of Course with Programme Outcomes)

PGDTProgramme	ProgrammeOutcomes						
Core course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7

SEMESTER I							
HN411	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
HN412	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
HN413	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
HN414	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
HN415	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
SEMESTER II							
HN421	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
HN422	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
HN423	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
HN424	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

8. मूल्यांकन पद्धति (EVALUATION PLAN)

मौखिक प्रस्तुति (ORAL PRESENTATION)

मानक (CRITERIA)	1	2	3	4	5	**स्कोर** (SCORE)
श्रोताओं का ध्यान	श्रोताओं का ध्यानाकर्षण **नहीं**	श्रोताओं का ध्यानाकर्षण **अल्प**	श्रोताओं का ध्यानाकर्षण **आंशिक**	श्रोताओं का ध्यानाकर्षण **अर्द्धपूर्ण**	श्रोताओं का ध्यानाकर्षण **पूर्ण**	
स्पष्टता	विषय की स्पष्टता **नहीं**	विषय की स्पष्टता **अल्प**	विषय की स्पष्टता **आंशिक**	विषय की स्पष्टता **अर्द्धपूर्ण**	विषय कीस्पष्टता **पूर्ण**	
विषय-वस्तु	तथ्यों की स्पष्टता व	तथ्यों की स्पष्टता व	तथ्यों की स्पष्टता व	तथ्यों की स्पष्टता व	तथ्यों की स्पष्टता व	

	व्यवस्था **नहीं**	व्यवस्था **अल्प**	व्यवस्था **आंशिक**	व्यवस्था **अर्द्धपूर्ण**	व्यवस्था **पूर्ण**	
रचनात्मकता	प्रस्तुति की शैली में विविधता व नवीनता **नहीं**	प्रस्तुति की शैली में विविधता व नवीनता **अल्प**	प्रस्तुति की शैली में विविधता व नवीनता **आंशिक**	प्रस्तुति की शैली में विविधता व नवीनता **अर्द्धपूर्ण**	प्रस्तुति की शैली में विविधता व नवीनता **पूर्ण**	
प्रस्तुति-अवधि	प्रस्तुति के लिए आवंटित समय का अनुपालन **नहीं**	प्रस्तुति के लिए आवंटित समय का अनुपालन **अल्प**	प्रस्तुति के लिए आवंटित समय का अनुपालन **आंशिक**	प्रस्तुति के लिए आवंटित समय का अनुपालन **अर्द्धपूर्ण**	प्रस्तुति के लिए आवंटित समय का अनुपालन **पूर्ण**	
अनुवाद - कौशल	अभिव्यक्ति की प्रवीणता**नहीं**	अभिव्यक्ति की प्रवीणता**अल्प**	अभिव्यक्ति की प्रवीणता**आंशिक**	अभिव्यक्ति की प्रवीणता**अर्द्धपूर्ण**	अभिव्यक्ति की प्रवीणता**पूर्ण**	
					TOTAL	
					REMARK	

लिखित परीक्षा (Written Test)

मानक (CRITERIA)	1	2	3	4	5	**प्राप्तांक** (SCORE)
विषय-वस्तु/तथ्यात्मकता	तथ्यों की प्रस्तुति **नहीं**	तथ्यों की प्रस्तुति **अल्प**	तथ्यों की प्रस्तुति **आंशिक**	तथ्यों की प्रस्तुति **अर्द्धपूर्ण**	तथ्यों की प्रस्तुति **पूर्ण**	

स्पष्टता	तथ्यों की प्रस्तुति में स्पष्टता **नहीं**	तथ्यों की प्रस्तुति में स्पष्टता **अल्प**	तथ्यों की प्रस्तुति में स्पष्टता **आंशिक**	तथ्यों की प्रस्तुति में स्पष्टता **अर्द्धपूर्ण**	तथ्यों की प्रस्तुति में स्पष्टता **पूर्ण**	
रचनात्मकता/ मौलिकता	उत्तर लेखन में रचनात्मता/ मौलिकता **नहीं**	उत्तर लेखन में रचनात्मकता/ मौलिकता**अल्प**	उत्तर लेखन में रचनात्मकता/मौलिकता**आंशिक**	उत्तर लेखन में रचनात्मकता/मौलिकता**अर्द्धपूर्ण**	उत्तर लेखन में रचनात्मकता / मौलिकता **पूर्ण**	
तारतम्यता	लेखन में विचारों की तारतम्यता **नहीं**	लेखन में विचारों की तारतम्यता **अल्प**	लेखन में विचारों की तारतम्यता **आंशिक**	लेखन में विचारों की तारतम्यता **अर्द्धपूर्ण**	लेखन में विचारों की तारतम्यता **पूर्ण**	
व्याकरण एवं वर्तनी	व्याकरण एवं वर्तनी की शुद्धता **नहीं**	व्याकरण एवं वर्तनी की शुद्धता **अल्प**	व्याकरण एवं वर्तनी की शुद्धता **आंशिक**	व्याकरण एवं वर्तनी की शुद्धता **अर्द्धपूर्ण**	व्याकरण एवं वर्तनी की शुद्धता **पूर्ण**	
निष्कर्षात्मक कथन	निष्कर्षात्मक कथन/ सार तत्वों की प्रस्तुति	निष्कर्षात्मक कथन/ सार	निष्कर्षात्मक कथन/ सार तत्वों की प्रस्तुति **आंशिक**	निष्कर्षात्मक कथन/ सार तत्वों की प्रस्तुति **अर्द्धपूर्ण**	निष्कर्षात्मक कथन/ सार	

	नहीं	तत्वों की प्रस्तुति **अल्प**			तत्वों की प्रस्तुति **पूर्ण**	

प्रदत्त कार्य (Assignment)

मानक (CRITERIA)	1	2	3	4	5	**प्राप्तांक** (SCORE)
विषय-वस्तु/तथ्यात्मकता	तथ्यों की प्रस्तुति **नहीं**	तथ्यों की प्रस्तुति **अल्प**	तथ्यों की प्रस्तुति**आंशिक**	तथ्यों की प्रस्तुति**अर्द्धपूर्ण**	तथ्यों की प्रस्तुति **पूर्ण**	
स्पष्टता	तथ्यों की प्रस्तुति में स्पष्टता **नहीं**	तथ्यों की प्रस्तुति में स्पष्टता **अल्प**	तथ्यों की प्रस्तुति में स्पष्टता **आंशिक**	तथ्यों की प्रस्तुति में स्पष्टता **अर्द्धपूर्ण**	तथ्यों की प्रस्तुति में स्पष्टता **पूर्ण**	
रचनात्मकता/ मौलिकता	उत्तर लेखन में रचनात्मकता /मौलिकता **नहीं**	उत्तर लेखन में रचनात्मकता/ मौलिकता**अल्प**	उत्तर लेखन में रचनात्मकता/मौलिकता**आंशिक**	उत्तर लेखन में रचनात्मकता/मौलिकता**अर्द्धपूर्ण**	उत्तर लेखन में रचनात्मकता / मौलिकता **पूर्ण**	

तारतम्यता	लेखन में विचारों की तारतम्यता **नहीं**	लेखन में विचारों की तारतम्यता **अल्प**	लेखन में विचारों की तारतम्यता **आंशिक**	लेखन में विचारों की तारतम्यता **अर्द्धपूर्ण**	लेखन में विचारों की तारतम्यता **पूर्ण**	
व्याकरण एवं वर्तनी	व्याकरण एवं वर्तनी की शुद्धता **नहीं**	व्याकरण एवं वर्तनी की शुद्धता **अल्प**	व्याकरण एवं वर्तनी की शुद्धता **आंशिक**	व्याकरण एवं वर्तनी की शुद्धता **अर्द्धपूर्ण**	व्याकरण एवं वर्तनी की शुद्धता **पूर्ण**	
निष्कर्षात्मक कथन	निष्कर्षात्मक कथन/ सार तत्वों की प्रस्तुति **नहीं**	निष्कर्षात्मक कथन/ सार तत्वों की प्रस्तुति **अल्प**	निष्कर्षात्मक कथन/ सार तत्वों की प्रस्तुति **आंशिक**	निष्कर्षात्मक कथन/ सार तत्वों की प्रस्तुति **अर्द्धपूर्ण**	निष्कर्षात्मक कथन/ सार तत्वों की प्रस्तुति **पूर्ण**	

9. Detailed Syllabus

सत्र-I (SEMESTER-I)

प्रयोजनमूलक हिंदी, भाषाप्रयुक्ति औरअनुवाद

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 411	प्रयोजनमूलक हिंदी, भाषाप्रयुक्ति औरअनुवाद	03	01	-	04	04

पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- प्रयोजनमूलक हिंदी के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान विकसित हो पाता है तथा राजभाषा हिंदी के मानक स्वरूप का अवबोध हो पाता है |
- प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूपों एवं उनके प्रयोगों से परिचित हो पाते हैं।
- प्रयोजनमूलक हिंदी की विविध प्रयुक्तियों एवं शैलियों के स्वरूप तथा प्रयोग की समग्र समझ विकसित हो पाती है।
- प्रयोजनमूलक हिंदी के तकनीकी एवं समसामयिक पक्षों की समझ विकसित हो पाती है।
- प्रयोजनमूलक हिंदी के अनुवाद संबंधी समस्याओं तथा उसके समाधान का बोध हो पाता है।

इकाई 1: प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप, उपयोगिता एवं विशेषताएं(सामान्य हिंदी और प्रयोजनमूलक हिंदी का अंतर) |

इकाई 2 : प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप(बोलचाल, कार्यालयी, शास्त्रीय, वैज्ञानिक, तकनीकी, समाजपरक एवं साहित्यिक रूप) |

इकाई 3 : प्रयोजनमूलक हिंदीकी शैलियां और प्रयुक्तियां (शैलियां: सामाजिक, भावात्मक, संवाद, विचारात्मक, पत्र लेखन एवं बोलचाल की शैली, प्रयुक्तियां: साहित्यिक, कार्यालयी, वाणिज्यिक, राजभाषा, विज्ञापन, विधि एवं कानूनी भाषा, वैज्ञानिक एवं तकनीकी भाषा प्रयुक्ति) |

इकाई 4: प्रयोजनमूलक हिंदी के अनुवाद की समस्याएं एवं समाधान |

इकाई 5: प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध प्रयुक्ति क्षेत्रों के अनुवाद के नमूने |

संदर्भ ग्रंथ सूची-

1.सिंघल, ओम प्रकाश, *प्रयोजनमूलक व्यवहारिक हिंदी*, (जगतराम एंड संस, दिल्ली,2010)
2. पांडेय, कैलाश नाथ, प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका,(लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009)
3.सिंह, दिनेश प्रसाद, प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता,(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007)
4. झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत एवं प्रयोग,(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004)
5. शर्मा, रघुनंदन प्रसाद, प्रयोजनमूलक हिंदी,(विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2008)

6.जैन, रमेश, प्रयोजनमूलक हिंदी,(नेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली, 2004)
7.गोदरे, विनोद, प्रयोजनमूलक हिंदी, (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007)
8. सिंह, विजयपाल, कार्यालयी हिंदी,(विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2007)
9. शाही, विनोद, प्रयोजनमूलक हिंदी, (आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा, 2004)
10.वार्ष्णेय, रश्मि, राजभाषा हिंदी 2020, (किताब घर, दिल्ली, 2010)

सत्र-I (SEMESTER-I)

हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति और अनुवाद

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 412	हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति और अनुवाद	03	01	-	04	04

पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- हिंदी भाषा के उद्भव एवं विकास के विविध संदर्भों का बोध हो पाता है।
- राजभाषा संबंधी नियमों एवं अनुच्छेदों की समझ विकसित हो पाती है।
- राजभाषा हिंदी के विकास से जुड़ी हुई संस्थाओं के स्वरूप एवं उनकी भूमिकाओं का बोध हो पाता है
- राजभाषा हिंदी के आधुनिकीकरण एवं अनुवाद के इतिहास का ज्ञान हो पाता है।

इकाई 1:हिंदी भाषा का उद्भव और विकास (हिंदी भाषा के प्राचीन, मध्य और आधुनिक कालहिंदी भाषा के विविध रूप) |

इकाई 2 :भारत के संविधान में राजभाषा संबंधी प्रावधान (अनुच्छेद 343 से 351 तक) राष्ट्रपति के आदेश 1952, 1955, 1960,राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा संशोधित 1967) राजभाषा संकल्प 1968 एवं 1991,राजभाषा अधिनियम 1967 (यथा संशोधित 1987) |

इकाई 3 :राजभाषा हिंदी के विकास से जुड़ी हुई विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाएं (काशी नागरी प्रचारिणी सभा, हिंदी साहित्य सम्मेलन-प्रयाग, राज भाषा प्रचार समिति वर्धा केंद्रीय हिंदी निदेशालय, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग, हिंदुस्तानीअकादमी केंद्रीय

हिंदी संस्थान-आगरा, पूर्वोत्तर भारत की हिंदी प्रचार-प्रसार करने वाली संस्थाएं) |

इकाई 4 :राजभाषा हिंदी के अनुवाद का इतिहास|

इकाई 5 :राजभाषा हिंदी का आधुनिकीकरण और अनुवाद|

सहायक ग्रंथ सूची-

1. शर्मा, राजमणि, हिंदी भाषा: इतिहास और स्वरूप वाणी, (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2004)
2. मोहम्मद, मलिक, राजभाषा हिंदी: विकास के विविध आयाम, (प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली,2002)
3. गोदरे, विनोद, प्रयोजनमूलक हिंदी (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009)
4. झाल्टे, दांगल, प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग,(वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2004)
5. तिवारी, भोलानाथ, हिंदी भाषा,(किताब महल, इलाहाबाद,2005)
6. तिवारी, उदय नारायण, हिंदी भाषा का उद्भव और विकास.(लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2007)
7. शर्मा, देवेंद्र नाथ, राजभाषा हिंदी समस्याएं और समाधान,(लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2008)
8. सकलानी, मुनीराम, प्रशासन में हिंदी,(आशा पब्लिकेशन, देहरादून 1997

सत्र-I (SEMESTER-I)

अनुवाद विज्ञान और उसका सिद्धांत

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 413	अनुवाद विज्ञान और उसका सिद्धांत	03	01	-	04	04

पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- अनुवाद की अवधारणा एवं उसके विविध आयामों का बोध हो पाता है।

- अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार की समझ विकसित हो पाती है।
- अनुवाद की परंपरा, उद्देश्य, सीमा एवं उसके सहायक साधनों का ज्ञान हो पाता है।
- अनुवाद संबंधी समस्याओं एवं उसके समाधानों का बोध हो पाता है।
- अनुवाद कौशल में दक्ष बनते हैं तथा अंतरअनुशासनिक विषयों के प्रयोग की समझ हो पाती है।

इकाई1: अनुवाद की अवधारणा और आयाम

(अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, स्रोत और लक्ष्य भाषा की अवधारणा अनुवाद विज्ञानया कला, अनुवादक के गुण) |

इकाई 2: अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार

(क्षेत्र-बातचीत, धर्म, पत्राचार, न्यायालयी, मशीनी, कार्यालयी, शिक्षा, सांस्कृतिक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, साहित्य और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के क्षेत्र में अनुवादप्रकार-साहित्य की विधा,विषय और अनुवाद के आधार पर) |

इकाई 3: अनुवाद के लिए सहायक साधन (टूल्स),अनुवाद की परंपरा: भारतीय एवं पाश्चात्य|

इकाई 4: अनुवाद संबंधी समस्याएं,अनुवाद संबंधित समस्याओं के समाधान|

इकाई 5: अनुवाद के उद्देश्य एवं सीमा|

सहायक ग्रंथ सूची

1. अय्यर, एन. ई. विश्वनाथ, अनुवाद काला,(प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली,1990)
2. तिवारी, भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान (शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,2002)
3. तिवारी, भोलानाथ, अनुवाद काला,(शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,1997)
4. सोनटक्के, आदिनाथ, अनुवाद: सिद्धांत एवं प्रयोग, (चंद्रलोक प्रकाशन, दिल्ली,1998)
5. कुमार, सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा,(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,1987)
6. पालीवाल,रीतारानी, अनुवाद सैद्धांतिकी, (आधार प्रकाशन, पंचकूला हरियाणा, 2000)
7. राय, त्रिभुवन, अनुवाद: स्वरूप और आयाम,(अनिल प्रकाशन, इलाहाबाद,1998)
8. पालीवाल,रीतारानी, अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य,(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010)

सत्र-I (SEMESTER-I)

कार्यालयी हिंदी और अनुवाद

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 414	कार्यालयी हिंदी और अनुवाद	03	01	-	04	04

पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- कार्यालयी हिंदी के स्वरूप एवं प्रयोग की समझ हो पाती है।
- कार्यालयीन हिंदी में पत्राचार की भाषिक विशेषताओं का बोध हो पाता है।
- कार्यालयी पत्राचार के विविध रूपों के स्वरूप एवं उनके प्रयोग की समझ विकसित हो पाती है।
- विविध सरकारी पत्रों के नमूनों के स्वरूप एवं अनुवाद-शैली का ज्ञान होता है।
- कार्यालयीन अनुवाद कौशल में प्रवीण बन पाते हैं।

इकाई 1: टिप्पण (टिप्पण के चरण, प्रकार, विशेषताएं एवं नमूने)

इकाई 2: आलेखन/ प्रारूपण (आलेख विधि, विशेषताएं एवं रूपरेखा की प्रस्तुति)

इकाई 3: सरकारी पत्राचार (शासकीय पत्र, ज्ञापन, कार्यालय ज्ञापन, अर्धशासकीय पत्र,कार्यालयी आदेश, पृष्ठांकन मितव्यय पत्र)

इकाई 4: सरकारी पत्राचार (अधिसूचना, संकल्प, अनुस्मारक, परिपत्र, सूचना, निविदा सूचना, प्रेस नोट, टेलेक्स संदेश, अनौपचारिक टिप्पणी, हिंदी तार)

इकाई 5: विविध सरकारी पत्रों के अनुवाद के नमूने

सहायक ग्रंथ

1. सकलानी, मुनिराज, प्रशासन में हिंदी, (आशा पब्लिकेशन, देहरादून, 1997)
2. झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत एवं प्रयोग,(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,2002)
3.गोदरे, विनोद, प्रयोजनमूलक हिंदी,(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,2009)
4.शर्मा, रघुनंदन प्रसाद, प्रयोजनमूलक हिंदी,(विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,2008)
5. विराज, प्रमाणिक आलेखन और टिप्पण,(राजपाल एंड संस, दिल्ली,2006)
6. भयाणी, अनूप चंद, पु०, व्यावसायिक संप्रेषण,(राजपाल प्रकाशन, दिल्ली,1995)

सत्र-I (SEMESTER-I)

परियोजनाकार्य-I

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 415	परियोजनाकार्य-I	-	-	06	08	06

पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- परियोजना तकनीक के स्वरूप का बोध हो पाता है।
- सृजनात्मकता एवं मौलिकता का विकास हो पाता है।
- अंतर-अनुशासनिक विषयों के अंतर्संबंधों की पड़ताल कर पाते हैं।
- अनुवाद कौशल एवं भाषिक-शैली की समझ विकसित हो पाती है।

निर्देश :

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम में लगभग 50 पृष्ठों की सामग्री का अंग्रेजी अथवा संविधान द्वारा स्वीकृत पूर्वोत्तर के किसी भी भाषा से हिंदी में अनुवाद-कार्य।

सत्र-II (SEMESTER-II)

अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष

(अंग्रेजी-हिंदी-अंग्रेजी)

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 421	अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष (अंग्रेजी-हिंदी-अंग्रेजी)	1	1	2	6	4

पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- अंग्रेजी से हिंदी एवं हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद के व्यवहारिकता का बोध हो पाता है।
- कार्यालयी साहित्यकेअनुवाद की प्रकर्यात्मकता का ज्ञान हो पाता है।
- वाणिज्य, बैंक, वित्त, बीमा एवं जनसंचार के अनुवाद के प्रयोगात्मक पक्ष की समझ विकसित हो पाती है।
- सृजनात्मक साहित्य एवं ज्ञानात्मक साहित्य संबंधी विषयों के अनुवाद के व्यवहारिक पक्ष में दक्षता प्राप्त कर पाते हैं।।

इकाई 1: सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद
(गद्यानुवाद और पद्यानुवाद)

इकाई 2: कार्यालयी साहित्य का अनुवाद
(टिप्पणी, परिपत्र, प्रेसविज्ञाप्ति, विज्ञापन, ज्ञापन,अनुस्मारक, सरकारी पात्र आदि)

इकाई 3: जनसंचार माध्यमों का अनुवाद
(जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त शब्दावली का, समाचारों काविज्ञापनों का, रेडियोनाटक, फीचर लेखन आदि का अनुवाद)

इकाई 4: वाणिज्य, बैंक, वित्त एवं बीमा, साहित्य का अनुवाद

इकाई 5: ज्ञान साहित्य एवं सामाजिक-सांस्कृतिक सामग्री का अनुवाद (ज्ञान साहित्य में इतिहास, कला, विज्ञान आदि और सामाजिक-सांस्कृतिक सामग्री में मुहावरे, लोकोक्तियां आदि हैं)

सहायक ग्रंथ सूची-

1.कांत, सुरेश, बैंकों में हिंदी का प्रयोग,(राजपाल प्रकाशन, दिल्ली,1995)
2. रमेशचंद, राजभाषा हिंदी और तकनीकी अनुवाद,(कल्याणी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली,2007)

3. सिंघल, ओम प्रकाश, प्रयोजनमूलक व्यवहारिक हिंदी,(जगतराम एंड संस, नई दिल्ली,2010)
4. दास, ठाकुर, कार्यालयी हिंदी,(जनवाणी प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली, 2009)
5. चमोला, दिनेश, व्यवहारिक राजभाषा कोश,(आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली,2009)
6. प्रसाद, दिनेश, प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता,(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,2007)
7. हर्षदेव, सामयिक मीडिया शब्दकोश,(सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली,2006)

सत्र-II (SEMESTER-II)

जनसंचार माध्यम और अनुवाद

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 422	जनसंचार माध्यम और अनुवाद	2	1	1	5	4

पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- जनसंचार के स्वरूप, महत्व एवं विविध माध्यमों का ज्ञान हो पाता है ।
- श्रव्य माध्यम के स्वरूप, लेखन-विशेषता एवं इसके विविध प्रकारों का बोध हो पाता है।
- दृश्य माध्यम के स्वरूप, लेखन-विशेषता एवं इसके विविध प्रकारों का बोध हो पाता है।
- विज्ञापन के स्वरूप, महत्व एवं भाषिक तथा लेखन विशेषताओं की समझविकसित हो पाती हैं।
- हिंदी जनसंचार के विविध माध्यमों के अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रयोग में दक्ष बन पाते हैं।

इकाई 1: जनसंचार: स्वरूप, महत्व और विभिन्न माध्यमों का परिचय, हिंदी माध्यम-लेखनका संक्षिप्त इतिहास |

इकाई 2:श्रव्य माध्यम लेखन: स्वरूप और विशेषताएं, समाचार लेखन, रेडियो लेखन,उद्घोषणा लेखन, फीचर लेखन |

इकाई 3:दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन: स्वरूप और विशेषताएं, पटकथा लेखन, टेलीड्रामानिवेदन, साहित्यिक विधाओं का रूपांतरण |

इकाई 4:विज्ञापन लेखन: विज्ञापन का स्वरूप एवं महत्व, भाषिक विशेषताएं, विज्ञापन लेखन |

इकाई 5:हिंदी जनसंचार माध्यम और अनुवाद के व्यवहारिक रूप :-

- सामाचार संबंधी अनुवाद |
- जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त विविध पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद |
- जनसंचार माध्यमों की अभिव्यक्ति का अनुवाद |
- विज्ञापनों का अनुवाद |

सहायक ग्रंथ सूची

1. शाही,विनोद, प्रयोजनमूलकहिंदी,(आधार प्रकाशन ,पंचकूला हरियाणा,2004)
2. तिवारी, अर्जुन, हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास,(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,2007)
3. गर्ग, सी. एल, सूचना एवं दूरसंचार प्रौद्योगिकी,(पूनम पुस्तक भवन, दिल्ली,2008)
4. इस्सर, देवेंद्र, जनमाध्यम संप्रेषण और विकास,(इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली,2008)
5. सेठी, हरीश कुमार, ई-अनुवाद और हिंदी,(किताबघर, दिल्ली,2009)
6. मृगेश, माणिक, भूमंडलीकरण निजीकारण और हिंदी,(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,2009)
7. गौतम, रूपचंद, मीडिया लेखन,(श्रीनटराज प्रकाशन, दिल्ली,2006)
8. मिश्र, स्मिता, अमर, अमरनाथ, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बदलते आयाम,(भारत पुस्तक भंडार, नई दिल्ली,2010)

सत्र-II (SEMESTER-II)

पारिभाषिक शब्दावली कोशविज्ञान और अनुवाद

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 423	पारिभाषिक शब्दावली कोशविज्ञान और अनुवाद	1	1	2	6	4

पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- पारिभाषिक शब्दावली के स्वरूप, परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषता एवं विस्तार का ज्ञान हो पाता है।

- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण संबंधी मतों एवं हिंदी में तकनीकी शब्दावली और पारिभाषिक शब्दावली के विकास एवं वर्तमान स्थिति का सम्यक बोध हो पाता है।
- कोश विज्ञान की परिभाषा, स्वरूप, महत्व, प्रकार एवं निर्माण प्रक्रिया का बोध हो पाता है।
- हिंदी कोश निर्माण का इतिहास, प्रमुख कोश एवं कोशकार तथा कोश और अनुवाद का संबंध जैसे पक्षों की समग्र समझ विकसित हो पाती है।
- पारिभाषिक शब्दों का हिंदी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद और उनका कोश क्रमानुसार व्यवस्थित करने का बोध हो पाता है।

इकाई 1: पारिभाषिक शब्दावली: परिभाषा, स्वरूप और विस्तार, सामान्य शब्द औरपारिभाषिक शब्द का अंतर, पारिभाषिक शब्दावली की विशेषताएं, पारिभाषिकशब्दावली का वर्गीकरण |

इकाई 2: पारिभाषिक शब्दावली: पारिभाषिक शब्दावली निर्माण संबंधी मत,हिंदी मेंतकनीकी शब्दावली का विकास, हिंदी पारिभाषिक शब्दावली की वर्तमान स्थिति और एकरूपता की समस्या।

इकाई 3: कोशविज्ञान: परिभाषा, स्वरूप, महत्व, कोश और व्याकरण, कोश के प्रकार, कोश निर्माण की प्रक्रिया ।

इकाई 4: कोशविज्ञान: कोश और अनुवाद, कोश निर्माण की समस्या, हिंदी कोश निर्माणका संक्षिप्त इतिहास, प्रमुख कोश ग्रंथ और कोशकार।

इकाई 5: पारिभाषिक शब्दों का अनुवाद (अंग्रेजी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी)शब्दों काकोश-क्रम (वर्णक्रमानुसार) से व्यवस्थित करने का अभ्यास।

संदर्भ ग्रंथ सूची -

1. व्रिहद् पारिभाषिक शब्द संग्रह (मानविकी और सामाजिक विज्ञान),(वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली,1992)
2. (स०) कपूर, बद्रीनाथ, हिंदी मुहावरे और लोकोक्ति कोश,(लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2007)
3.हर्षदेव, सामायिक मीडिया शब्दकोश,(सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली,2006)
4. गोयल, नितिन, कंप्यूटर विज्ञान विश्वकोश,(ऊर्जा प्रकाशन, दिल्ली 2010)
5.जैन, रमेश, शर्मा, कैलाश, मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी,(पंचशील प्रकाशन, जयपुर,2009)
6. गर्ग, लक्ष्मीनारायण, हिंदी शब्द-प्रयोग कोश,(किताबघर,नई दिल्ली,2007)

सत्र-II(SEMESTER-II)

परियोजनाकार्य-II

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 424	परियोजनाकार्य-II	-	-	06	08	06

पाठ्यक्रम-प्रतिफल (Course outcome) :-

- परियोजना तकनीक के स्वरूप का बोध हो पाता है।
- सृजनात्मकता एवं मौलिकता का विकास हो पाता है।
- अंतर-अनुशासनिक विषयों के अंतर्संबंधों की पड़ताल कर पाते हैं।
- अनुवाद कौशल एवं भाषिक-शैली की समझ विकसित हो पाती हैं।

निर्देश :

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम में लगभग 50 पृष्ठों की सामग्री का हिंदी से अंग्रेजी अथवा संविधान स्वीकृत पूर्वोत्तर की किसी भी भाषा में अनुवाद-कार्य।
- दोनों सत्रों के परियोजना-कार्य (I&II) की मौखिकी।